राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

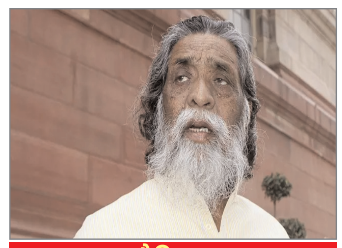

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 26 फरवरी 2026
वर्ष 14, अंक 306, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

तीन घरों में चोरी, लाखों के जेवरात किए पार, गांव में दहशत, छत के रास्ते घर में घुसे बदमाश..03

सामाजिक माध्यम में टी एम पी के कि खिलाफ अफवाह फैलने वालो पर थाने में शिकायत दर्ज..04

रूह अफज़ा को सुप्रीम कोर्ट ने माना फ्रूट ड्रिंक, इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला रद्द, लगेगा सिर्फ 4 फीसदी वैट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के मशहूर शरबत 'रूह अफ़ज़ा'को लेकर बड़ा फैसला सुनाया. कोर्ट ने अफज़ा फ्रूट ड्रिंक मानते हुए कहा कि रूह अफ़ज़ा को फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखा जाएगा और इस पर 12.5% के बजाय सिर्फ 4% वैट (VAT) लगेगा. यह फैसला उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 (यूपी VAT एक्ट) के तहत कर निर्धारण से जुड़ा है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कई राज्यों में रूह अफज़ा को पहले से ही रियायती दर पर टैक्स के दायरे में रखा गया है, जिससे हमदर्द की दलील मजबूत होती है. बेंच ने माना कि उत्पाद को फ्रूड ड्रिंक मानने की व्याख्या 'न तो बनावटी थी और न ही गलत थी, बल्कि व्यावसायिक रूप से मान्य और वास्तविक' थी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला रद्द

कोर्ट ने कहा कि रूह अफ़ज़ा को अधिनियम की अनुसूची-I की प्रविष्टि 103 के तहत फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट के रूप में क्लासिफाई किया जा सकता है. इसलिए संबंधित आकलन वर्ष के दौरान यह उत्पाद 4 प्रतिशत की रियायती वैट दर पर कर योग्य होगा. इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज की अपील स्वीकार कर ली और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें रूह अफ़ज़ा को नॉन-फ्रूट और कृत्रिम तत्वों से तैयार ड्रिंक मानते हुए अधिक वैट लगाने की बात कही गई थी।

क्या है मामला

दरअसल यह विवाद हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के पॉपुलर ड्रिंक कॉन्संट्रेट शरबत रूह अफजा के उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 के तहत टैक्स क्लासिफिकेशन से पैदा हुआ था. यह विवाद इस बात से जुड़ा था कि क्या प्रोडक्ट को P VAT एक्ट के शेड्यूल I के पार्ट, की एंट्री 103 के तहत 4 परसेंट टैक्सेबल फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फ्रूट माना जाए या शेड्यूल V में रेसिड्यूरी एंट्री के तहत 12.5 परसेंट टैक्सेबल अनक्लासिफाइड कमोडिटी माना जाए।

असेसमेंट ईयर 200708 और 200809 के लिए, हमदर्द ने रूह अफजा की बिक्री पर 4 परसेंट की कम दर से VAT दिया, यह दावा करते हुए कि यह प्रोसेस्ड या प्रिजर्व्ड फल, फ्रूट स्क्वैश, फ्रूट ड्रिंक और फ्रूट जूस की श्रेणी में आता है. टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं थे और उन्होंने प्रोडक्ट को ज़्यादा VAT के लिए लायबल अनक्लासिफाइड आइटम माना. फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटी और कमर्शियल टैक्स ट्रिब्यूनल के सामने हमदर्द की अपील खारिज हो गई, ट्रिब्यूनल ने कहा कि आम और कमर्शियल भाषा में, प्रोडक्ट को फ्रूट ड्रिंक के बजाय शरबत समझा जाता है।

हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को सही ठहराया

जुलाई 2018 में, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हमदर्द द्वारा दायर रिव्यू पिटीशन याचिकाओं को खारिज कर दिया और ट्रिब्यूनल के फैसले को सही ठहराया. हाईकोर्ट ने आम बोलचाल के टेस्ट पर बहुत ज़्यादा भरोसा किया और कहा कि फ्रूट जूस या फ्रूट ड्रिंक मांगने वाले कंज्यूमर्स को रूह अफ़ज़ा नहीं दिया जाएगा और इसका उल्टा भी होगा. हमदर्द ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी. सुप्रीम कोर्ट ने टैक्स अधिकारियों और हाईकोर्ट के तर्क को खारिज कर दिया और फैसला हमदर्द के पक्ष में सुनाया. कोर्ट ने कहा कि एक साथ दिए गए नतीजे अपील की जांच से सुरक्षित नहीं हैं.इसने पाया कि वे नतीजे कानून में साफ तौर पर गलत जानकारी की वजह से गलत थे और फिस्कल क्लासिफिकेशन को कंट्रोल करने वाले तय सिद्धांतों के गलत इस्तेमाल पर आधारित थे।

हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस के 20 जवानों को हिरासत में लिया, एआई समिट में शामिल 3 प्रदर्शनकारियों को लेकर जा रहे थे, सोलन में रोका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शिमला- हिमाचल प्रदेश से बड़ी खबर है. दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में प्रदर्शन करने वाले तीन युवा कांग्रेस वर्करों को शिमला जिले के रोहड़ू से हिरासत में लिया है. हालांकि, अब सोलन पुलिस ने सभी को रोक लिया है. बताय़ा जा रहा है कि हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले की पुलिस ने दिल्ली पुलिस के 20 जवानों को हिरासत में लिया है. उधर, शिमला के एसपी गौरव सिंह पूरे मामले कोर्ट में पहुंचे हैं।

जानकारी के अनसार, इस मामले में अब हिमाचल और दिल्ली पुलिस आमने सामने हो गए है. बताया जा रहा है कि हिरासत में लिए गए यूथ कांग्रेस के तीनों कार्यकर्ताओं को शिमला में जिला अदालत में लाया गया, और एसीजेएम कोर्ट नंबर में 2 में पेश किया गया, दिल्ली पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी भी अदालत में मौजूद हैं. इससे पहले, सोलन पुलिस ने धर्मपुर के पास सभी को रोक लिया था. गौर रहे कि एआई समिट में प्रदर्शन करने वालों में तीन यूथ कांग्रेस के वर्कर हालांकि, हिमाचल प्रदेश के रहने वाले नहीं है. लेकिन इन्होंने प्रदर्शन किया था और फिर शिमला के रोहड़ू में छिप गए थे और होटल में रुके थे।

सोलन पुलिस ने हाईवे पर लगाया था नाका

जब सोलन पुलिस को मामले की सूचना मिली तो धर्मपुर में सोलन पुलिस ने चंडीगढ़ कालका शिमला हाईवे पर बैरिकेडिंग कर दी और फिर दिल्ली पुलिस के जवानों को डिटेन कर लिया. फिलहाल, शिमला कोर्ट में तीन वर्करों को पेश किया गया है. यहां पर शिमला के एसपी गौरव सिंह भी पहुंचे हैं।

हिमाचल सदन में भी रुके थे

गौरतलब है कि दिल्ली में एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के वर्करों ने शर्टलेस प्रदर्शन किया था. इसमें एक आरोपी जितेंद्र सिंह दिल्ली में हिमाचल सदन में रुका हुआ था. इस पर दिल्ली पुलिस की टीम ने भी हिमाचल सदन में आधी रात को रेड मारी थी, जिस पर हंगामा हो गया था. मंगलवार को दिल्ली से शिमला लौटने पर सीएम सुक्खू ने भी इस मामले पर बयान दिया था।

सोलन के धर्मपुर में पुलिस ने लगाया नाका

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा था कि यह संवैधानिक प्रक्रिया के विरुद्ध है. दिल्ली में कमिश्नर को सूचना दी जानी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की ओर से बुकिंग की गई थी. आमतौर पर कमरे बुक होते हैं और उसका भुगतान भी होता है, इसमें कोई नई बात नहीं है. इस दौरान मुख्यमंत्री ने सम्मिट में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन का समर्थन किया. उन्होंने यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भान चिब की गिरफ्तारी को गलत बताया और कहा कि समझाकर छोड़ दिया जाता था, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, जो उचित नहीं है. सीएम ने कहा था कि कमरे सीएम दफ्तर से ही बुक होते हैं।

भाजपा ने उठाए थे सवाल

दिल्ली में हिमाचल सदन में एआई समिट में प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के वर्करों के ठहरने पर हिमाचल भाजपा ने सवाल उठाए थे. पूर्व सीएम जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल सदन को षड्यंत्र का केंद्र ना बनाया जाए. यहां पर ठहरने वाले लोगों की आईडी नहीं छुपाई जानी चाहिए. जयराम ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी और प्रियंका भी इस योजना में शामिल थे. यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के नेता हार की वजह से तनाव में हैं और ये लोग देश के खिलाफ षड़यंत्र कर रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

संत गाडगे महाराज की मूर्ति स्थापित कराने की उठी मांग

राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत ने राज्यमंत्री सहित महिला आयोग की सदस्य को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत ने राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ एवं राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल को एक पत्र सौंपकर संत गाडगे महाराज की मूर्ति ललितपुर सहित महरौनी क्षेत्र में स्थापित कराने की मांग की है। इस दौरान जिलाध्यक्ष राहुल रजक गोलू ने बताया कि संत गाडगे महाराज ने समाज सुधार की दिशा में अनेक काम किए हैं, जो कि आज भी प्रेरणाश्रोत हैं। उनके द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता पर जोर दिया। समाज में फैले अंधविश्वास एवं कुरीतियों को दूर करने में उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन लगा दिया। ऐसे महापुरूष संत गाडगे महाराज की मूर्ति ललितपुर सहित महरौनी क्षेत्र में स्थान चिन्हित कर लगावायी जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी को उनसे प्रेरणा मिल सके। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल रजक नीलू, विनोद मिश्रा, बुन्देलखण्ड अध्यक्ष रामगुलाम श्रीवास, विवेक, महेश श्रीवास, एड. रविकांत श्रीवास, मुकेश, प्रभुदयाल, हरिकेश रजक, हरिओम रजक, हरीश, इमरत श्रीवास, कन्हैयालाल रजक, प्रकाश बाबू, लालाराम, भगवानदास, विजय, फूलचंद्र रजक, कृष्णकुमार, राजेन्द्र श्रीवास, विजय, अमित, राममिलन सहित सहित अनेक स्वजातीय बंधु मौजूद रहे।

खेत में काम कर रहे किसान से मारपीट

जान से मारने की धमकी, चार नामजद पर मुकदमा

ललितपुर। खेत पर काम कर रहे किसान के साथ गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि गांव के ही चार लोगों ने उसे घेरकर लाठी-डंडों से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।कोतवाली क्षेत्र के निवासी केदारनाथ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही आरोपी वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित का आरोप है कि हमले में उन्हें चोटें आई और आरोपियों ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने केदारनाथ की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

कैंपस में विरोध-प्रदर्शनों पर लगा बैन, हाईकोर्ट ने D U और दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शन का मामला दिल्ली हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है. बुधवार (25 फरवरी) को कोर्ट ने यूनिवर्सिटी के कैंपस में एक महीने के लिए सभी प्रोटेस्ट पर बैन लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की. इस दौरान कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी (D U), दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार को उस याचिका पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा. जस्टिस जसमीत सिंह ने यह आदेश दिया और मामले को पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (PIL) देख रही बेंच को ट्रांसफर कर दिया. याचिका पर चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच सुनवाई कर रही है. मामले की सुनवाई 10 मार्च को होगी।

छात्र उदय भदौरिया ने दायर की याचिका

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश दिल्ली यूनिवर्सिटी के लॉ फैकल्टी के छात्र उदय भदौरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया. याचिका में उदय भदौरिया ने बीते 17 फरवरी, 2026 को यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर ऑफिस द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन को चुनौती दी है, जिसमें यूनिवर्सिटी कैंपस और उससे जुड़े कॉलेजों में पब्लिक मीटिंग, जुलूस, प्रदर्शन और पांच या उससे ज़्यादा लोगों के शांतिपूर्ण जमावड़े पर रोक लगाई गई है. याचिकाकर्ता का कहना है कि इस तरह की पूरी तरह से रोक संविधान के आर्टिकल 14 और 19 का उल्लंघन है।

UGC गाइडलाइंस को लेकर मचा था बवाल

यह फैसला यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) की इक्विटी गाइडलाइंस को लेकर हाल ही में हुए स्टूडेंट आंदोलन के दौरान हुई झड़पों के बाद लिया गया. दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में सार्वजनिक मीटिंग, जुलूस, धरना, प्रदर्शन और प्रोटेस्ट जैसी गतिविधियों पर 17 फरवरी 2026 से एक महीने के लिए पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है. इसके बाद किरोड़ीमल कॉलेज और दयाल सिंह कॉलेज ने भी एडवाइजरी जारी की, जिसमें सस्पेंशन और नौकरी से निकालने जैसी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई. कॉलेजों ने स्टूडेंट्स और स्टाफ को सोशल मीडिया पर इससे जुड़ी जानकारी शेयर न करने की भी चेतावनी दी।

प्रशासन ने बताए कारण

प्रॉक्टर कार्यालय (Proctor Office) के मुताबिक यह कदम परिसर में हाल के अनुभवों और सुरक्षा एजेंसियों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर उठाया गया है. आदेश में कहा गया है कि अनियंत्रित सार्वजनिक कार्यक्रमों और विरोध प्रदर्शनों से ट्रैफिक बाधित होने, आम लोगों की सुरक्षा पर खतरा पैदा होने और जनशांति भंग होने की आशंका रहती है.प्रशासन ने यह भी जिक्र किया कि पहले कई मौकों पर आयोजक भीड़ को नियंत्रित करने में असफल रहे, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई।

CBI का बड़ा एक्शन... 1.86 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड में 3 अरेस्ट, केरल के बुजुर्ग को बनाया था शिकार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 राज्यों में छापेमारी की. करीब 1.86 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड केस में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. यह ठगी केरल के कोट्टायम जिले के एक वरिष्ठ नागरिक से की गई थी. जांच एजेंसी के मुताबिक, डिजिटल फॉरेंसिक और पैसों के लेन-देन की गहन जांच के बाद एक बड़ा नेटवर्क सामने आया, जो कई राज्यों में फैला हुआ था. शुरुआती जांच में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन के संकेत भी मिले हैं।

किन-किन जगहों पर छापेमारी?

सीबीआई ने एक साथ गोवा, बेंगलुरु (कर्नाटक), पलक्कड़ (केरल), नागपुर (महाराष्ट्र), हैदराबाद (तेलंगाना) और दिल्ली में सर्च ऑपरेशन चलाया. इस दौरान डिजिटल डिवाइस, डेबिट कार्ड, बैंक खाते से जुड़े दस्तावेज और कई अहम सबूत बरामद किए गए हैं. जब्त सामान की जांच जारी है।

ऐसे काम करता था गिरोह

जांच में सामने आया कि यह पूरा नेटवर्क दो मुख्य तरीकों से काम कर रहा था. इसमें म्यूल बैंक अकाउंट नेटवर्क फर्जी या किराए के बैंक खातों के जरिए ठगी की रकम इधर-उधर ट्रांसफर की जाती थी. फर्जी तरीके से लिए गए सिम कार्ड लोगों को 5G सिम अपग्रेड का लालच देकर उनके KYC डॉक्यूमेंट हासिल किए जाते थे. उन्हीं दस्तावेजों से सिम एक्टिवेट कर फ्रॉड में इस्तेमाल किया जाता था।

ये तीन आरोपी पकड़े गए

ब्लेसिन जैकब अब्राहम गोवा के एक होटल से गिरफ्तार. यह कथित तौर पर म्यूल अकाउंट ऑपरेटर था और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पैसे ट्रांसफर करने में अहम भूमिका निभा रहा था. दूसरा आरोपी मोहम्मद मुश्ताक है, जो कि नागपुर से पकड़ा गया है. यह शेल कंपनी के जरिए म्यूल अकाउंट चला रहा था. कथित तौर पर अपराध की रकम अपनी कंपनी के खाते में रिसीव करता था. तीसरा आरोपी मोहम्मद जुनैद है, जो कि बेंगलुरु से गिरफ्तार हुआ है. आरोप है कि यह फर्जी तरीके से सिम कार्ड दिलवाने का काम करता था. आरोप है कि 5G अपग्रेड के नाम पर लोगों को ठगकर उनके दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया जाता था. सीबीआई का कहना है कि जांच अभी जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े देश-विदेश के अन्य लोगों की पहचान की जा रही है. एजेंसी का दावा है कि यह ऑपरेशन डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर ठगी के बड़े गिरोहों की कमर तोड़ने की दिशा में अहम कदम है. सीबीआई ने साफ किया है कि संगठित साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि डिजिटल सिस्टम पर लोगों का भरोसा बना रहे।

10वीं का एडमिट कार्ड भी मान्य... पश्चिम बंगाल वोटर लिस्ट SIR पर S C का बड़ा आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल में जारी एसआईआर के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है. कोर्ट ने कहा कि राज्य में जारी एसआईआर में पहचान सत्यापन के लिए उत्तीर्ण प्रमाणपत्र के साथ 10वीं का प्रवेश पत्र लगाया जा सकता है. सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने अधिवक्ता डीएस नायडू द्वारा मामले का जिक्र किए जाने के बाद ये आदेश पास किया है. दरअसल, डीएस नायडू ने इस बारे में चिंता जताई थी कि क्या इस तरह के प्रवेश पत्रों को अपने आप में पूर्ण पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जा सकता है? इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले ही निर्देश दे चुका है कि प्रवेश पत्र केवल पूरक दस्तावेज होगा. 24 फरवरी 2026 के आदेश के अनुच्छेद 3(3) के सभी दस्तावेज, जो अब तक अपलोड नहीं किए गए हैं और 15 फरवरी से पहले प्राप्त हुए हैं, उन्हें निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों द्वारा कल 5 बजे तक पीठासीन न्यायिक अधिकारियों को दिया जाएगा।

प्रमाण पत्र को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा?

कोर्ट ने कहा, इस तरह अनुच्छेद 3(तीन)(सी) में यह साफ किया गया है कि माध्यमिक (कक्षा 10) के प्रवेश पत्रों को जन्म प्रमाण पत्र और पारिवारिक पहचान के रूप में उत्तीर्ण प्रमाण पत्र के साथ पेश किया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में जारी एसआईआर प्रक्रिया में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने की आशंका से संबंधित 80 लाख दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए मंगलवार को राज्य के 250 जिला जजों के साथ-साथ झारखंड और ओडिशा से न्यायिक अधिकारियों को तैनात करने की अनुमति दी है।

एसआईआर के बीच जारी है सियासी संग्राम

उधर, राज्य में जारी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सियासी पारा हाई है. कोलकाता में सीईओ ऑफिस कार्यालय के सामने बीते दिन बड़ा बवाल हो गया. टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई. ये घटना उस वक्त हुई जब टीएमसी कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को जूते दिखाए और 'वापस जाओ' के नारे लगाए थे. बीजेपी ने आरोप लगाया, जब शुभेंदु अधिकारी बीबीडी बाग इलाके में सीईओ ऑफिस से बाहर आ रहे थे तब उन्हें काले झंडे और जूते दिखाए गए. साथ आए पुलिसकर्मियों ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की. इससे आक्रोशित बीजेपी कार्यकर्ताओं ने टीएमसी कार्यकर्ताओं के नारों का जवाब दिया और झड़प की. हालांकि, समय रहते पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर दिया।

भाजपा नेता ने दी भाजपा पार्षद को मारने की सुपारी! हत्या में नाकाम रहे शूटर तो की 3 करोड़ की लूट, ऐसे हुआ खुलासा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिलासपुर- छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में महालक्ष्मी ज्वेलर्स लूटकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। जहां करोड़ों की लूट का पर्दाफाश हुआ है, वहीं इसके साथ हत्या की एक बड़ी साजिश का भी सननसीखेज खुलासा हुआ है। आरोप है कि एक भाजपा नेता द्वारा दूसरे भाजपा नेता की हत्या की सुपारी दी गई थी, जिसमें विफल होने पर आरोपियों ने करोड़ों की लूट को अंजाम दिया। सरकंडा उपपुलिस महानिरीक्षक रजनेश सिंह के मुताबिक गिरफ्तार अंतरराज्यीय गिरोह वास्तव में वार्ड नंबर 36 के पार्षद व एमआइसी सदस्य बंधु मौर्य की हत्या की सुपारी मिलने पर शहर पहुंचे थे। हत्या के प्रयास में विफल रहने पर गिरोह ने शहर के बड़े ज्वेलर्स और व्यापारियों को अपना निशाना बनाना शुरू किया था। जानकारी के मुताबिक, राजू सोनकर और एमआइसी सदस्य व वार्ड नं. 36 के पार्षद बंधु मौर्य के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसके कारण राजू ने बंधु मौर्य को रास्ते से हटाने के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी नारद श्रीवास को दी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी नेता ने कथित तौर पर 25 लाख रुपये में हत्या का सौदा तय किया था। इसमें से 6 लाख रुपये एडवांस के रूप में दिए जाने की बात सामने आई है। प्रारंभिक जांच में पैसों के लेन-देन से जुड़े कुछ सबूत भी मिले हैं, जिन्हें पुलिस ने जब्त किया है। अधिकारियों का कहना है कि आर्थिक लेन-देन की पुष्टि के लिए बैंक खातों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

भाजपा नेता ने दी सुपारी

भाजपा पार्षद व एमआइसी सदस्य बंधु मौर्य की हत्या की सुपारी देने वाला राजू सोनकर भी भाजपा नेता है। वह पार्टी में अहम पद पर हैं। उसे भाजपा पूर्वी मंडल बेलतरा में अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष बनाया गया है।

उतरप्रदेश के मिर्जापुर से 7 आरोपी गिरफ्तार

सुपारी लेने के बाद नारद श्रीवास ने दिल्ली, यूपी और एमपी के शूटरों को बिलासपुर बुलवाया। गिरोह ने 18 दिसंबर को पार्षद पर जानलेवा हमला किया, लेकिन वे बच निकले। इसके बाद खर्च निकालने के लिए गिरोह ने नेटी समोसा संचालक को लूटने की कोशिश की और अंततः ज्वेलरी शॉप के संचालक पर हथौड़ी व कट्टे की बट से हमला कर दो किलो सोना और लाखों की नगदी लूट ली।

हत्या में असफल

18 दिसंबर को शूटरों ने चांटीडीह काम्प्लेक्स के पास बंधु मौर्य की गाड़ी से टक्कर करने के बाद झगड़ा करने के दौरान हत्या का प्लान बनाया था। इस दौरान फायरिंग भी की गई लेकिन कोशिश असफल रही। पार्षद वहां से कार में भागने में सफल रहा और हत्या का साजिश नाकाम हो गई।

लूट की प्लानिंग की और पकड़े गए

हत्या की योजना फेल होने के बाद गिरोह ने वहां रहकर पहचान छिपाने के लिए लूट की वारदातों को अंजाम दिया। छोटी मोटी लूट के बाद उन्होंने महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक संतोष तिवारी को निशाना बनाया और करोड़ों की लूट को अंजाम देकर मिर्जापुर फरार हो गए। सीसीटीवी फुटेज, साइबर इनपुट और लोकल सूचना के आधार पर आरोपियों का पीछा करते हुए बिलासपुर पुलिस ने मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश) में घेराबंदी की। यूपी पुलिस के सहयोग से चार मुख्य आरोपी गिरफ्तार किए गए। बाद में अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने लूट का 100 प्रतिशत माल बरामद कर लिया है। पुलिस ने अब तक 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, धारदार चाकू, तीन कारें, मोबाइल फोन और 5.33 लाख रुपये नगद बरामद किए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ और उत्तरप्रदेश में कई गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज आईपीएस रामगोपाल गर्ग एवं उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आईपीएस रजनेश सिंह ने उत्कृष्ट कार्य के लिए टीम की सराहना की।

साहित्य का सत्य, समाज की नैतिक चिंता है

शुद्ध,जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना।

साहित्यिक रचनाएं सभी जगह एक और साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना है।शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस में संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियों आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती हैं। राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान हैं। यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को 'जीवन की आलोचना' भी कहा है।

साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषण कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य में भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहित्य से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और मानवीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और सामाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि 'जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए ', वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।

संजीव ठाकुर

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्स्ढ्ठ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की रडार से बचा जा सके।

खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पर्दाफाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उम्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़ेगए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुआ है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम काईस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है।

आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरुआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

मनोज कुमार अग्रवाल

होलाष्टक के आठ दिनों का आध्यात्मिक विज्ञान

होलाष्टक का काल भारतीय संस्कृति में केवल तिथियों का समूह नहीं हैए बल्कि यह समय के उस सूक्ष्म अंतराल का प्रतीक है जहाँ प्रकृतिए ग्रह.नक्षत्र और मानवीय चेतना एक विशिष्ट रूपांतरण से गुजरते हैं। फाल्गुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलने वाले ये आठ दिन जिन्हें हम होलाष्टक कहते हैंए वर्ष 2026 में 24 फरवरी से आरंभ होकर 3 मार्च तक अपनी व्याप्ति बनाए रखेंगे। इस अवधि को सामान्यतः शुभ कार्यों के लिए वर्जित माना जाता हैए लेकिन यदि हम इसके आध्यात्मिकए ज्योतिषीय और वैज्ञानिक धरातल को गहराई से देखेंए तो यह वर्जना वास्तव में एक गहरी तैयारी और आंतरिक शुद्धि का निमंत्रण है। वैदिक ज्योतिष के अनुसारए इन आठ दिनों में सौरमंडल के आठ प्रमुख ग्रहकृचंद्रमाए सूर्यए मंगलए बुधए गुरुए शुक्रए शनि और राहुकृक्रमशः अपनी उग्र अवस्था में होते हैं। ग्रहों की यह उग्रता सीधे तौर पर मानव मस्तिष्क और उसकी निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। जब ब्रह्मांडीय ऊर्जाएं इतनी अस्थिर और प्रखर होंए तो किसी भी नए जीवन.प्रसंग जैसे विवाहए गृह.प्रवेश या व्यापारिक प्रतिष्ठान की नींव रखना जोखिम भरा माना जाता है क्योंकि अस्थिर नींव पर खड़ा भवन दीर्घजीवी नहीं होता।

अष्टमी तिथि को जब होलाष्टक का आरंभ होता हैए तब चंद्रमा अपनी चंचलता के चरम पर होता है। चंद्रमा मन का कारक हैए और इसकी उग्रता व्यक्ति के भीतर भावनाओं का ज्वार पैदा करती है। यही कारण है कि होलाष्टक के शुरुआती दिनों में लोग अक्सर बिना किसी ठोस कारण के बेचैनी या मानसिक भारीपन महसूस करते हैं। जैसे.जैसे दिन बीतते हैंए सूर्यए मंगल और शनि जैसे क्रूर ग्रहों का प्रभाव बढ़ता जाता हैए जिससे अहंकारए क्रोध और आलस्य की प्रवृत्तियां उभरने लगती हैं। पौराणिक संदर्भों में इस काल को प्रह्लाद की यातनाओं से जोड़कर देखा गया है। राक्षसराज हिरण्यकशिपु ने अपने ही पुत्र को भक्ति मार्ग से विचलित करने के लिए इन आठ दिनों में जो क्रूरतम प्रयास किएए वे मानवीय सीमाओं की परीक्षा थे। कभी प्रह्लाद को ऊँचे पर्वत से नीचे फेंका गयाए कभी विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया और कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ। यह कथा हमें यह सिखाती है कि जब बाहरी परिस्थितियां अत्यंत प्रतिकूल हों और चारों ओर नकारात्मक शक्तियों का घेरा होए तब केवल आंतरिक विश्वास और ईश्वर के प्रति अटूट समर्पण ही रक्षा कवच का कार्य करता है। प्रह्लाद की वह भक्ति आज के संदर्भ में हमारे श्आत्म.बलश् का प्रतीक है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो होलाष्टक का समय ऋतु परिवर्तन का संधिकाल है। उत्तर भारत में शीत ऋतु विदा ले रही होती है और ग्रीष्म का आगमन पदचाप सुनाने लगता है। इस संक्रमण काल में वातावरण में नमी और तापमान का संतुलन बिगड़ता हैए जिससे सूक्ष्म जीवाणु और वायरस अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। हमारे पूर्वजों ने इस समय को श्अशौचश् या संयम का समय इसलिए घोषित किया ताकि लोग भीड़भाड़ वाले आयोजनों से बचें और अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। होलाष्टक के दौरान होलिका रोपण की परंपरा भी इसी वैज्ञानिक बोध का हिस्सा है। गाँव के चौराहे पर लकड़ियाँ और सूखी टहनियाँ एकत्र करना केवल एक रस्म नहींए बल्कि परिवेश की स्वच्छता का अभियान है। होलिका दहन के समय निकलने वाली अग्नि और उसमें डाली जाने वाली औषधियाँ जैसे कपूरए गूगल और लोबान वातावरण को विसंक्रमित करने का कार्य करती हैं। इस प्रकारए जो हमें धार्मिक निषेध दिखाई देता हैए उसके मूल में जन.स्वास्थ्य की गहरी चिंता छिपी हुई है। आधुनिक जीवनशैली में जहाँ तनाव और श्बर्नआउटश् एक महामारी का रूप ले चुके हैंए वहाँ होलाष्टक को एक श्कॉस्मिक डिटॉक्सश् या श्डिजिटल डिटॉक्सश् के रूप में अपनाया जाना चाहिए। आज के दौर में हम सूचनाओं के निरंतर बमबारी के बीच जी रहे हैंए जहाँ सोशल मीडिया और तकनीक ने हमारे एकांत को समाप्त कर दिया है। होलाष्टक के ये आठ दिन हमें ठहरने का संदेश देते हैं। चूँकि इन दिनों ग्रहों की स्थिति उग्र हैए इसलिए बाहरी दुनिया में विस्तार करने के बजाय अपने भीतर सिमटना अधिक श्रेयस्कर है। यह समय आत्म.निरीक्षण का है कि पिछले एक वर्ष में हमने कितनी ईर्ष्याए कितना द्वेष और कितना अहंकार अपने भीतर पाल लिया है। जैसे होलिका दहन में सूखी लकड़ियाँ जलाई जाती हैंए वैसे ही इन आठ दिनों के संयम से हमें अपने भीतर की नकारात्मकता को भस्म करने की तैयारी करनी चाहिए। ध्यान और मौन इस काल के सबसे प्रभावी अस्त्र हैं। जब हम मौन रहते हैंए तो हमारी ऊर्जा बाहर नष्ट होने के बजाय भीतर की ओर प्रवाहित होने लगती हैए जिससे हमारे तंत्रिका तंत्र को विश्राम मिलता है। ज्योतिष शास्त्र की सलाह है कि होलाष्टक के दौरान विशेष रूप से मेषए वृश्चिक और सिंह जैसी उग्र स्वभाव वाली राशियों को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। मंगल का प्रभाव व्यक्ति को अकारण विवादों में धकेल सकता है। यदि हम इस अवधि में महामृत्युंजय मंत्र का जाप या हनुमान चालीसा का पाठ करते हैंए तो वह केवल धार्मिक क्रिया नहीं हैए बल्कि ध्वनियों का एक ऐसा विज्ञान है जो हमारे मस्तिष्क की तरंगों को शांत करता है। दान की परंपरा भी इसीलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दान देने से श्अहंश् का विसर्जन होता है। जब हम अपनी प्रिय वस्तु या धन किसी जरूरतमंद को देते हैंए तो हमारे भीतर का श्मैंश् छोटा होता है और ब्रह्मांडीय करुणा का संचार होता है। होलाष्टक में काले तिलए वस्त्र और गुड़ का दान विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है क्योंकि ये चीजें शरीर में ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने और शनि.मंगल जैसे ग्रहों के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में सहायक होती हैं।

वर्ष 2026 का होलाष्टक विशेष इसलिए भी है क्योंकि यह एक ऐसे समय में आ रहा है जब दुनिया स्थिरता की तलाश में है। तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में मानवीय संवेदनाएं कहीं पीछे छूटती जा रही हैं। ऐसे में होलाष्टक की यह आठ दिवसीय साधना हमें पुनः जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी। 4 मार्च को जब हम रंगों की होली खेलेंगेए तो वह केवल बाहरी रंग नहीं होंगेए बल्कि वे हमारे भीतर की प्रसन्नता और शुद्धता के रंग होंगे। एक शुद्ध मन ही उत्सव का सच्चा पात्र होता है। जिस प्रकार सोना आग में तपकर कुंदन बनता हैए उसी प्रकार होलाष्टक की इस आठ दिनों की मर्यादित अग्नि में तपकर मनुष्य का व्यक्तित्व निखरता है। अंततःए होलाष्टक को केवल श्अशुभश् मानकर डरने की आवश्यकता नहीं है। भारतीय मनीषा में कुछ भी पूर्णतः अशुभ नहीं होताय हर निषेध के पीछे एक सृजनात्मक उद्देश्य होता है। यह काल हमें सिखाता है कि उत्सव मनाने से पहले आत्म.शुद्धि अनिवार्य है। यदि पात्र गंदा हो तो उसमें अमृत भी विष बन जाता है। अतःए इन आठ दिनों को अपनी आदतों को सुधारनेए स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने और अपनी आध्यात्मिक ऊर्जा को संचित करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। जब हम इस दृष्टिकोण से होलाष्टक को जिएंगेए तो 2026 की होली हमारे जीवन में न केवल रंग लेकर आएगीए बल्कि एक नई चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेगी। यह यात्रा उग्रता से शांति की ओरए विकार से शुद्धि की ओर और प्रह्लाद जैसी अडिग आस्था की ओर एक सफल प्रस्थान होगी।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

राष्ट्र सुरक्षा का नवदर्शनः अब प्रतिक्रिया नहीं, पूर्वप्रहार

[सुरक्षा का सप्तसंकल्पः 'प्रहार' से सशक्त होता भारत]

[आतंक के विरुद्ध राष्ट्र की संगठित चेतनाः 'प्रहार' का उदय]

भारत ने 23 फरवरी 2026 को अपनी पहली व्यापक राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति 'प्रहार' (PRAHAAR) के शुभारंभ के साथ सुरक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम उठाया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आठ पृष्ठों वाले इस नीति दस्तावेज में केवल दशकों से चले आ रहे आतंकवाद विरोधी प्रयासों का औपचारिकीकरण नहीं किया गया है, बल्कि भविष्य में उभरते खतरों—जैसे साइबर हमले, ड्रोन का दुरुपयोग, क्रिप्टोकरेंसी के जरिए वित्त पोषण, और डार्क वेब पर रेडिकलाइजेशन—से निपटने के लिए ठोस और निर्णायक रणनीतियाँ भी प्रस्तुत की गई हैं। नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतंकवाद का न तो कोई धर्म है, न कोई जाति, न कोई राष्ट्रीयता और न ही कोई सभ्यता। यह एक कृत्य है, जिसे किसी भी वैचारिक या धार्मिक औचित्य के साथ सही नहीं ठहराया जा सकता। केंद्र सरकार की यह नीति सामाजिक सद्भाव को बनाये रखते हुए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाली दूरदर्शिता का प्रतीक है। 'प्रहार' शब्द का चयन स्वयं सरकार की अडिग इच्छाशक्ति और सक्रिय रणनीति की अभिव्यक्ति है। यह नीति केवल रक्षात्मक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रोएक्टिव और खुफ़िया-आधारित अभियान संचालित करने की दिशा में स्पष्ट संकेत देती है। यह नीति सात अडिग स्तंभों की उस संगठित शक्ति पर खड़ी है, जिन्हें 'PRAHAAR' के अक्षरों में इस तरह संहिताबद्ध किया गया है कि हर अक्षर स्वयं एक रणनीतिक संकल्प बन जाता है।

इनमें पहला है प्रिवेंशन—आतंकवादी हमलों की पूर्वानुमानित रोकथाम, जो पूरी तरह से खुफ़िया जानकारी और विश्लेषण पर आधारित होगी। दूसरा स्तंभ है रिस्पॉन्स—तेज़, संतुलित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की क्षमता। तीसरा स्तंभ है एग्रीगेटिंग कैपेसिटीज़—सरकारी आंतरिक क्षमताओं का समन्वय और एकीकृत उपयोग। चौथा है ह्यूमन राइट्स और रूल ऑफ़ लॉ—सभी ऑपरेशंस में मानवाधिकारों और कानूनी ढांचे का कड़ाई से पालन। पांचवां स्तंभ है अटेन्यूएटिंग कंडीशन्स—वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ जिन्हें कम करके रेडिकलाइजेशन और आतंकवाद के बीजारोपण को रोका जा सके। छठा स्तंभ है अलाइनिंग इंटरनेशनल एफर्ट्स—वैश्विक सहयोग और साझेदारी के माध्यम से आतंकवादियों को वित्तीय संसाधनों, हथियारों की आपूर्ति और सुरक्षित पनाहगाहों से वंचित करना। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समन्वित कार्रवाई और कूटनीतिक सक्रियता का स्पष्ट संकेत देता है। सातवां स्तंभ है रिकवरी और रिज़िलियंस—आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित पीड़ितों की समुचित सहायता, समाज की सामूहिक मानसिक और सामाजिक मजबूती, तथा पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।

ये सातों स्तंभ सामूहिक रूप से भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को एक व्यवस्थित, समग्र और बहुआयामी ढांचा प्रदान करते हैं। यह केवल सिद्धांतों का संकलन नहीं, बल्कि एक सुसंगठित और क्रियान्वयन-केन्द्रित रणनीति का आधार है। पारंपरिक और सीमित रिएक्टिव सोच की परिधि से बाहर निकलते हुए यह नीति अब प्रिवेंटिव, प्रोएक्टिव और फ्यूचर-प्रूफ दृष्टिकोण को आत्मसात करती है, जो बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की सुरक्षा प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करता है। जहाँ पहले आतंकवाद को मुख्यतः सीमा-पार गतिविधियों तक सीमित समझा जाता था, वहीं 'प्रहार' अब जल, थल और आकाश—तीनों आयामों में उभरते खतरों की व्यापक पहचान करता है। यह नीति सुरक्षा की पारंपरिक परिभाषा से आगे बढ़कर बहु-स्तरीय और सर्वांगीण दृष्टिकोण अपनाती है। इसमें बिजली, रेलवे, एविएशन, पोर्ट्स, डिफेंस, स्पेस और एटॉमिक एनर्जी जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक एवं सामरिक क्षेत्रों के लिए मल्टी-लेयर सुरक्षा प्रावधानों को सुदृढ़ रूप से शामिल किया गया है, ताकि राष्ट्रीय अवसंरचना किसी भी प्रकार की आतंकी या विघटनकारी गतिविधि से सुरक्षित रह सके। साइबर और ड्रोन युग में, जब दुश्मन अदृश्य, डिजिटल और तकनीकी रूप से अत्याधुनिक हो चुका है, सरकार ने क्रिमिनल हैकर्स, नेशन-स्टेट एक्टर्स, डार्क वेब नेटवर्क, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाली फंडिंग तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर कठोर और निर्णायक कार्रवाई का स्पष्ट संकल्प व्यक्त किया है। 'प्रहार' की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता उसका समावेशी और सहभागी दृष्टिकोण है। यह नीति आतंकवाद को केवल सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं मानती, बल्कि पूरे समाज को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है। स्कूल, कॉलेज, मीडिया संस्थान, सामुदायिक नेतृत्व और जागरूक नागरिक—सभी को रेडिकलाइजेशन की रोकथाम और सामाजिक समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। नीति में स्पष्ट किया गया है कि अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी, किंतु किसी भी समुदाय को सामूहिक रूप से दोषी ठहराने की प्रवृत्ति को स्थान नहीं दिया जाएगा। यह संतुलित और संवेदनशील दृष्टिकोण सुरक्षा की कठोरता तथा सामाजिक सौहार्द—दोनों के बीच सार्थक सामंजस्य स्थापित करता है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत अब आतंकवाद की स्पष्ट और सर्वमान्य परिभाषा, पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा तथा प्रभावी वैश्विक सहयोग के पक्ष में दृढ़ और सशक्त आवाज उठाएगा। यह नीति भारत की दशकों पुरानी, अनुभव-सिद्ध आतंकवाद विरोधी लड़ाई को न केवल संरचित और दस्तावेजीकृत स्वरूप देती है, बल्कि उसे निरंतर विकसित और अद्यतन रखने की दिशा भी सुनिश्चित करती है। सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल रक्षात्मक रणनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यक होने पर निर्णायक और प्रभावी प्रहार करने की क्षमता तथा अटूट इच्छाशक्ति भी रखती है। साइबर और ड्रोन जैसे उभरते खतरों पर विशेष फोकस, खुफ़िया-आधारित रोकथाम की सुदृढ़ व्यवस्था, तथा 'होल-ऑफ-सोसाइटी' दृष्टिकोण भारत को 21वीं सदी के जटिल और बहुआयामी आतंकवाद के विरुद्ध अधिक सशक्त और सक्षम बनाते हैं।

'प्रहार' नीति एक स्पष्ट और ठोस संदेश देती है—भारत अब केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करेगा, बल्कि संभावित खतरों का पूर्वानुमान लगाकर समय रहते निर्णायक कार्रवाई करेगा। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, परंतु उसके विरुद्ध भारत की लड़ाई अब अधिक एकजुट, बुद्धिमत्तापूर्ण, रणनीतिक और अडिग होगी। केंद्र सरकार की यह पहल राष्ट्रीय सुरक्षा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प प्रदर्शित करती है और भारत को वैश्विक स्तर पर आतंकवाद-रोधी रणनीतियों में अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होती है। यह नीति भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक मजबूत, दूरदर्शी, समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

प्रहार : आतंक के खिलाफ नई राष्ट्रीय ढाल, रोकथाम, समन्वय और तकनीकी सतर्कता पर आधारित व्यापक रणनीति

केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई पहली राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी नीति 'प्रहार' भारत की आंतरिक सुरक्षा रणनीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। आज़ादी के 78 वर्ष बाद एक समग्र, लिखित और स्पष्ट आतंकवाद विरोधी नीति का आना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्रतिक्रियात्मक नहीं बल्कि सक्रिय और पूर्व-निवारक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लंबे समय से सुरक्षा विशेषज्ञ यह सवाल उठाते रहे थे कि जिस देश ने दशकों तक सीमा पार प्रायोजित आतंकवाद, अलगाववाद और वैश्विक आतंकी नेटवर्क की चुनौतियों का सामना किया है, उसके पास एक औपचारिक राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी नीति क्यों नहीं है। अब 'प्रहार' के माध्यम से केंद्र ने इस कमी को दूर करने का प्रयास किया है। इस नीति का मूल आधार 'जीरो टॉलरेंस' यानी आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आतंकवाद को किसी धर्म, जाति या समुदाय से नहीं जोड़ा जाएगा, बल्कि इसे केवल राष्ट्र-विरोधी हिंसक कृत्य के रूप में देखा जाएगा। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है क्योंकि आतंकवाद की चुनौती केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता से भी जुड़ी हुई है। जब नीति यह स्पष्ट करती है कि आतंकवाद किसी विशेष पहचान से संबद्ध नहीं है, तो वह कट्टरपंथ की जड़ों को कमजोर करने की दिशा में भी काम करती है। 'प्रहार' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हमले के बाद की कार्रवाई से अधिक हमले से पहले रोकथाम पर केंद्रित है। यह बदलाव बेहद महत्वपूर्ण है। पारंपरिक सुरक्षा मॉडल अक्सर किसी हमले के बाद जांच, गिरफ्तारी और दंड पर केंद्रित होते थे, लेकिन नई नीति में खुफिया तंत्र को सुदृढ़ कर संभावित हमलों को पहले ही विफल करने पर जोर दिया गया है। मल्टी एजेंसी सेंटर के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने का प्रयास इसी सोच का हिस्सा है। यदि विभिन्न एजेंसियों के पास मौजूद सूचनाएं समय रहते साझा हों और उन पर त्वरित कार्रवाई हो, तो कई बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है।

नीति में अल-कायदा और आइएसआइएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों से खतरे का उल्लेख यह दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को केवल घरेलू संदर्भ में नहीं देख रहा, बल्कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भी आकलन कर रहा है। अल कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठन डिजिटल माध्यमों से युवाओं को प्रभावित करने और उन्हें कट्टरपंथ की ओर धकेलने की रणनीति अपनाते रहे हैं। ऐसे में नीति का डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्शन, डार्क वेब और क्रिप्टोकेंसी के दुरुपयोग पर ध्यान देना समय की मांग है। आज आतंकवाद केवल बंदूक और बम तक सीमित नहीं है; यह साइबर हमलों, ड्रोन तकनीक, फेक न्यूज और ऑनलाइन भर्ती के रूप में भी सामने आ रहा है।

ड्रोन हमलों और साइबर अटैक जैसी नई चुनौतियों का उल्लेख इस नीति को आधुनिक बनाता है। सीमाओं पर ड्रोन के माध्यम से हथियार और मादक पदार्थ गिराने की घटनाएं पिछले वर्षों में सामने आई हैं। साइबर हमलों के जरिए महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना को निशाना बनाया जा सकता है। रासायनिक, जैविक या परमाणु हमलों की आशंका भले ही कम हो, लेकिन उनका प्रभाव विनाशकारी हो सकता है। इसलिए नीति में इन सभी संभावित खतरों के प्रति तैयारी और सतर्कता पर जोर दिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि 'प्रहार' केवल वर्तमान खतरों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को भी ध्यान में रखती है।

आतंकी संगठनों और संगठित अपराध गिरोहों के गठजोड़ पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। कई बार आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन की व्यवस्था हवाला, मादक पदार्थों की तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों से की जाती है। यदि इन फंडिंग चैनलों को तोड़ा जाए और ओवरग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को खत्म किया जाए, तो आतंकवाद की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। नीति में इस दिशा में कठोर कदम उठाने की बात कही गई है। इससे आतंकवाद के आर्थिक स्रोतों पर चोट पहुंचेगी।

केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश में कानून-व्यवस्था मुख्यतः राज्य का विषय है, जबकि राष्ट्रीय सुरक्षा में केंद्र की भूमिका प्रमुख होती है। यदि दोनों स्तरों पर समन्वय में कमी हो, तो सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है। 'प्रहार' में राज्यों की एटीएस और आतंकवाद रोधी इकाइयों की क्षमता बढ़ाने, प्रशिक्षण, आधुनिकीकरण और तकनीकी संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया गया है। इससे पूरे देश में एक समान और मजबूत आतंकवाद रोधी ढांचा तैयार किया जा सकेगा।

नीति में मानवाधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की बात भी महत्वपूर्ण है। आतंकवाद से लड़ाई में कठोरता आवश्यक है, लेकिन कानून की सीमाओं के भीतर रहकर ही कार्रवाई होनी चाहिए। आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया और अपील का अधिकार देना लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करता है। इससे सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कायम रहता है। यह संदेश भी जाता है कि भारत आतंकवाद से लड़ते हुए भी अपने संवैधानिक सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगा।

कट्टरपंथ को रोकने के लिए युवाओं की समय रहते पहचान और परामर्श की व्यवस्था, जेलों में उग्र विचारधारा के प्रसार को रोकने के उपाय तथा शिक्षा और रोजगार के माध्यम से सामाजिक कमजोरियों को दूर करने की सोच नीति को केवल सुरक्षा दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार का माध्यम भी बनाती है। यदि युवा कट्टरपंथ की ओर आकर्षित ही न हों, तो आतंकवादी संगठनों की भर्ती प्रक्रिया कमजोर पड़ जाएगी। इस दृष्टि से 'प्रहार' सामाजिक भागीदारी और पुनर्वास पर भी जोर देती है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बात इस नीति को वैश्विक आयाम देती है। अन्य देशों के साथ सूचना साझा करना, प्रत्यर्पण समझौते और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर आतंकियों को नामित कराने के प्रयास भारत की कूटनीतिक सक्रियता को दर्शाते हैं। आतंकवाद आज सीमा-रहित चुनौती बन चुका है, इसलिए उसका समाधान भी वैश्विक सहयोग से ही संभव है।

यदि पिछले वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो आतंकी हमलों और मौतों में कमी आई है। 2004-14 की तुलना में 2014-25 के बीच घटनाओं और हताहतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। यह प्रवृत्ति बताती है कि सुरक्षा तंत्र ने कुछ हद तक प्रभावी काम किया है। 'प्रहार' जैसी नीति इस कमी को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह संरचनात्मक सुधार और दीर्घकालिक रणनीति पर आधारित है। कुल मिलाकर, 'प्रहार' केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की समग्र सोच का प्रतिबिंब है। इसमें सुरक्षा, तकनीक, सामाजिक जागरूकता, कानूनी संतुलन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समावेश है। यदि इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया, केंद्र और राज्य एजेंसियों के बीच वास्तविक समन्वय स्थापित हुआ, और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई, तो निश्चित रूप से आतंकवाद की घटनाओं में और कमी लाई जा सकती है। यह नीति भारत की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं को भटकाव से बचाने और राष्ट्र को स्थिर, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

तीन दिवसीय सरस मेले का आयोजन संपन्न

उत्कृष्ट कार्य कर रही विद्युत, समूह, स्वास्थ्य सखियों आदि को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

रायबरेली- जनपद रायबरेली में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से 03 दिवसीय सरस मेले का आयोजन किया गया। आज सरस मेला समापन अवसर पर मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष, बुद्धी लाल पासी द्वारा सरस मेला में प्रतिभाग कर जनपद में नव चयनित 02 विद्युत सखियों को थार्मल प्रिंटर प्रदान कर कार्य प्रारम्भ करने हेतु प्रोत्साहित किया। योजनान्तगत उत्कृष्ट कार्य कर रही विद्युत सखी, समूह सखी, स्वास्थ्य सखी आदि को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समूहों द्वारा मल्टीग्रेन आटा, आलू चिप्स पापड़, पॉपकार्न, झाड़ू, टॉयलेट क्लीनर, फ्लोर क्लीनर, कम्पोस्ट खाद्य आदि उत्पादों के स्टॉल, वन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, आरसेटी, बाल विकास पुष्टाहार, महिला कल्याण विभाग, कृषि विभाग, सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी सहित अन्य विभागों के स्टॉल लगाये गयें। मेले में उत्पादों की अच्छी बिक्री से महिलाओं में विशेष उत्साह रहा। इस मौके पर उपायुक्त (एन0आर0एल0एम0) सविता सिंह, कौशल विकास मिशन, जिला समन्वयक राजीव सिंह, समस्त जिला मिशन प्रबंधक एवं ब्लॉक मिशन प्रबंधक व शिवेन्द्र प्रताप सिंह, धीरेन्द्र गौतम सहित 718 स्वयं सहायता समूह की महिलाये उपस्थित रहीं।

स्थानांतरित शिक्षक/शिक्षिकाओं का वेतन तथा सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का फरवरी माह का वेतन भुगतान होली से पूर्व हो।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने जिला संगठन को दिया आश्वासन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को अनेक शिक्षकों द्वारा संज्ञानित कराया गया था कि वित्त एवं लेखाधिकारी ने मौखिक रूप से कहा है कि फरवरी माह का वेतन उन्ही विद्यालयों का पारित किया जाएगा जिन विद्यालयों ने आडिट द्वारा लगाई गई आपत्तियों का निस्तारण करा लिया है। इसको लेकर जिला संगठन के पदाधिकारी चिंतित हुए और आपस में दूरभाष के माध्यम से विचार विमर्श किया गया। विचार विमर्श में प्रमुख रूप से संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं जिला संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र, प्रदेशीय मंत्री डा. आर.के. त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष श्री अनिल शर्मा, जिलामंत्री श्री महेश चन्द्र, कोषाध्यक्ष श्री आर.पी. सिंह,आय व्यय निरीक्षक आलोक पाठक ने आपस में विचार विमर्श कर जिला संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र को अधिकृत किया गया कि आप जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ से वार्ता करें और सुनिश्चित करें कि ऑडिट संबंधी आपत्ति को वर्तमान में अलग रखते हुए फरवरी माह का वेतन एवं दूसरे जनपदों से स्थानांतरित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के वेतन का भुगतान होली से पूर्व सुनिश्चित किया जाए। यह भी निर्णय लिया गया कि यदि वेतन भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित नहीं होती है तो जिला संगठन विरोध प्रदर्शन करेगा।उपरोक्त के क्रम जिला संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र ने बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए आज दिनांक 24 फरवरी, 2026 को प्रातः 4:30 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक श्री राकेश कुमार को व्हाट्सएप में जनपदों से स्थानांतरित शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का वेतन तथा आडिट आपत्तियों को वर्तमान में दरकिनार करते हुए फरवरी मास का सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं का वेतन भुगतान होली से पूर्व सुनिश्चित कराए, जाने का सन्देश दिया तथा सन्देश में यह भी लिखा कि प्रथम पाली की परीक्षा के बाद वार्ता करेंगे। इसी क्रम में जिला संरक्षक डा. आर.पी मिश्र ने लगभग 12:00 बजे जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार से दूरभाष पर वार्ता की। जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार ने कहा कि मैंने आपका व्हाट्सएप संदेश देखा था और लेखाधिकारी को कह दिया है कि सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों का वेतन भुगतान होली से पूर्व सुनिश्चित किया जाए। स्थानांतरित शिक्षकों के संबंध में भी जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि मैं लगातार पत्रावलियां कर रहा हूं उनका भी वेतन भुगतान होली से पूर्व सुनिश्चित किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक ने ऑडिट आपत्ति के कारण वेतन रोके जाने के संबंध में अनभिज्ञता जाहिर की और कहा कि ऑडिट आपत्ति के कारण किसी भी विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन नहीं रुकेगा। जनपदीय पदाधिकारियों से अनुरोध है कि अपने अपने विद्यालयों एवं सभी सम्मानित प्रधानाचार्यों से वेतन बिलों के संबंध में वार्ता करते रहे और किसी कठिनाई की दशा में जिला संगठन के पदाधिकारियों को अवगत करा दे।पदाधिकारियों की वार्ता में यह भी निर्णय लिया गया था यदि 26 फरवरी तक वेतन भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित नहीं होती है तो जिला संगठन विरोध प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा। डा. आर.पी. मिश्र- प्रादेशिक उपाध्यक्ष/प्रवक्ता एवं संरक्षक, लखनऊ, डा. आर.के. त्रिवेदी- प्रदेशीय मंत्री, अनिल शर्मा- जिलाध्यक्ष, महेश चंद्र- जिलामंत्री, आर.पी. सिंह- कोषाध्यक्ष आलोक पाठक- आय-व्यय निरीक्षक, डा. मीता श्रीवास्तव- सदस्य राज्य कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

समबैल निर्माण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

कोंच(जालौन)- क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने मंगलवार को माधोगढ़ तहसील परिसर में राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अंतर्गत तहसील परिसर में समबैल निर्माण कार्य का शिलान्यास (भूमि पूजन) किया।माधोगढ़ नगर पंचायत द्वारा संयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल विधायक ने विद्वतजन द्वारा उच्चारित वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन कर निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इस दौरान उपस्थित कस्बावासियों के बीच बोलते हुए विधायक ने कहा कि समबैल निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से सीवरेज एवं जल निकासी का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल निर्देशन में विधानसभा क्षेत्र में सभी तरह के विकास कार्य संपादित कराए जा रहे हैं। क्षेत्र में विकास के एक भी काम को बाकी नहीं रहने दिया जाएगा। इससे पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राघवेंद्र व्यास सहित सभासदों एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलापत कुशवाहा ने विधायक का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम में भाजपा के स्थानीय नेता, कार्यकर्ता, नगर पंचायत कर्मी एवं कस्बावासी मौजूद रहे।

अभिषेक वर्मा के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर केक काटकर शिव मंदिर में रुद्राभिषेक किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शिवसेना शिंदे गुट के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अभय द्विवेदी ने अपने कार्यालय में मनाया मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक (एन0डी0ए0) चुनाव एवं गठबंधन शिवसेना डॉ0 अभिषेक वर्मा का जन्मदिवस की शुभ अवसर पर केक काटकर व शिव मंदिर में उनके दीर्घ आयु के लिए किया रुद्र अभिषेक करके बनाया गया इस अवसर पर शिव सैनिकों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अभय द्विवेदी ने कहा की अभिषेक वर्मा ने सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय कार्य किया है जिसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है और कि आज हम सारे शिव सैनिकों व सनातन धर्म के लोगों को उनके मार्गदर्शन पे चलने की जरूरत है जिससे सनातन धर्म का परचम पूरे राष्ट्र पे लहराए इस अवसर पर शिवसेना जिला प्रभारी अनुराग पांडे, अयोध्या विधानसभा प्रमुख कपिल पाठक, युवा सेना सचिव दीपक पांडे, पवन, मोहन लाल, दीपू, विपुल यादव, विकास दुबे, दिलीप मिश्रा, वैभव सिंह, अखिलेश गुप्ता, पवन मोदनवाल, अनूप मिश्रा, बद्री प्रसाद, विकास साहू व जिला प्रवक्ता ऋषि श्रीवास्तव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मोहनलालगंज : PWD की सुस्ती से 'सफर' बना 'आफत', सिसेंडी-भागू खेड़ा मार्ग एक साल से बदहाल

●दो दर्जन गांवों की लाइफलाइन पर राहगीर हो रहे चोटिल; स्वतंत्र प्रभात संवाददाता की दूरभाष वार्ता के बाद जेई ने एक सप्ताह में काम शुरू कराने का दिया आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ- राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग (PWD) की बड़ी लापरवाही का खामियाजा हजारों ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। सिसेंडी से भागू खेड़ा को जोड़ने वाला मुख्य सड़क मार्ग पिछले एक वर्ष से अधिक समय से पूरी तरह जर्जर हो चुका है। लगभग 6 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की हालत इतनी खस्ता है कि यहाँ डामर का नामोनिशान मिट चुका है और सड़क गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। यह मार्ग क्षेत्र का एक बेहद व्यस्त रास्ता है, जिससे रोजाना दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन होता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर पत्थर उखड़ चुके हैं, जिसके कारण आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं और वाहनों के कलपुर्जे भी जवाब दे रहे हैं। बदहाल सड़क के कारण 10 मिनट का सफर तय करने में लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है। विभागीय उदासीनता और जनता की बढ़ती परेशानियों को देखते हुए जब स्वतंत्र प्रभात संवाददाता ने पीडब्ल्यूडी विभाग के संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) यमुना प्रसाद तिवारी से दूरभाष पर वार्ता की, तो उन्होंने अपनी सफाई में बजट और अन्य तकनीकी कारणों का हवाला दिया। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए जेई ने मौखिक रूप से आश्वासन दिया है कि उक्त सड़क मार्ग के निर्माण का कार्य एक सप्ताह के भीतर शुरू करा दिया जाएगा। अब देखना यह होगा कि विभाग अपने इस वादे पर खरा उतरता है या क्षेत्र की जनता को धूल और गड्ढों के बीच अभी और समय तक संघर्ष करना पड़ेगा।

पूरेजगन्नाथ टीम ने जीता वॉलीबॉल का खिताबी मुकाबला

लालगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे जगन्नाथ मजरे ऐहार गांव में जिला स्तरीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें जिले भर की 16 टीमों ने प्रतिभागकिया। खिताबी मुकाबला पूरे जगन्नाथ और करकसा के टीमो के बीच खेला गया। इसमें पूरे जगन्नाथ की टीम विजेता रही। अतिथियों ने विजेता व उपविजेता टीमों को शील्ड प्रदान की। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने कहा कि खेल से दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं। आपसी भाईचारा और सौहार्द बढ़ता है। इस मौके पर यह एसआई रवींद्र तिवारी, विनय चौरसिया, रमन यादव, राम बहादुर यादव, ओम प्रकाश यादव, रामखेलावन, छेदी कुशवाहा, विमल कुशवाहा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

तीन घरों में चोरी, लाखों के जेवरात किए पार, गांव में दहशत, छत के रास्ते घर में घुसे बदमाश

●खिड़की काटकर घर में घुसे बदमाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धन्नीपुर गांव में सोमवार रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। एक घर से करीब 30 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए, जबकि दूसरे घर से 10 हजार रुपये नगद और दो सोने की अंगूठी पार कर दी गई। एक अन्य घर में चोरी की कोशिश नाकाम रही। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। गांव निवासी सुखेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि चोर छत के रास्ते घर में घुसे। जीने में लगी खिड़की की सरिया काटकर अंदर दाखिल हुए और जीने के दरवाजे का कुंडा खोल लिया। इसके बाद पहली मंजिल पर बने उनके बेटे हिमांशु सिंह के कमरे का ताला तोड़ दिया। कमरे में रखी अलमारी और श्रृंगार दानी खंगालकर करीब 30 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। वारदात के समय सुखेंद्र ग्राउंड फ्लोर पर सो रहे थे, जबकि उनकी पत्नी सुनीता और बेटी निवेदिता अपने-अपने कमरों में थीं। किसी को भी घटना की भनक नहीं लगी। सुबह पड़ोसी रमेश तिवारी जब सीसीटीवी फुटेज देखने पहुंचे, तब चोरी की जानकारी हुई। सुखेंद्र ने बताया कि उनकी बहू लखीमपुर खीरी में अध्यापक है और बेटा हिमांशु भी वहीं रहता है। उसका कमरा बंद था, जिसे चोरों ने निशाना बनाया। इसी रात गांव के दक्षिणी छोर पर, सुखेंद्र के घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित अभय प्रताप सिंह उर्फ बाबू के घर में भी चोरी हुई। वहां से 10 हजार रुपये नगद और दो सोने की अंगूठी चोर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

मिश्रिख में एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन द्वारा कंप्यूटर लैब व सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का हुआ भव्य उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिश्रिख (सीतापुर) एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन के तत्वाधान में मंगलवार को मिश्रिख में कंप्यूटर प्रशिक्षण लैब एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि बबलू सिंह तथा महर्षि दधीचि रामलीला न्यास के न्यासी रामबक्श सिंह ने दीप प्रज्वलित कर, नारियल फोड़कर एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोनल कोऑर्डिनेटर अशोक कुमार ने एकल अभियान एवं ग्रामोत्थान फाउंडेशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वरोजगार और संस्कार आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्य कर रही है। संचालन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्था का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत बनाना, महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के चिंतन को साकार करना, भीमराव रामजी आंबेडकर की कल्पनाओं का सम्मान सुनिश्चित करना तथा केशव बलिराम हेडगेवार के विचारों के अनुरूप वैभवशाली राष्ट्र के निर्माण में योगदान देना है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। कार्यक्रम में समिति के सदस्य राजीव ओझा, विपिन बैश्य, नागेंद्र सिंह, अभय चौरसिया, नीरज वर्मा, आलोक सिंह, हेराम, जोनल सुपरवाइजर अनुग्रह सिंह, अशोक, सुनीता, रामेंद्र, रामनिवास, दुर्गेश, महेंद्र, मुकेश, हर्ष एवं सुधीर सहित लगभग 150 छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। समारोह में वर्चुअल माध्यम से श्री कुमार भास्कर शर्मा, आशीष जी, राहुल जी, स्नेहा जी, दिल्ली टीम तथा अमेरिका से श्री भरत जी भी जुड़े। कार्यक्रम का सुव्यवस्थित संचालन जीआरसी इंचार्ज सुधीर चौधरी द्वारा किया गया। समारोह के अंत में अतिथियों ने प्रशिक्षण केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार।

राजस्थान में बालिका संग दुष्कर्म और हत्या मामले में सौंपा ज्ञापन

कोंच(जालौन)- राजस्थान प्रांत में नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या किए जाने की घटना से आक्रोशित याज्ञिक सविता सेन समाज के लोगों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंप कर आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही किए जाने एवं पीड़ित परिवार की मदद किए जाने की मांग की है। मंगलवार को समाज के दर्जनों लोगों ने एसडीएम ज्योति सिंह को सौंपे ज्ञापन में कहा कि राजस्थान प्रांत के ग्राम रणजीतपुर जिला बीकानेर निवासी कक्षा 8 में पढ़ने वाली नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म कर उसकी निर्मम हत्या किए जाने की घटना निंदनीय, समाज को कलंकित करने वाली और अक्षम्य है। उक्त घटना से सम्पूर्ण समाज आहत और आक्रोशित है। वहां की पुलिस पर लचर कार्यवाही का आरोप लगाते हुए ज्ञापन में मांग की गई कि घटना के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए साथ ही पीड़ित परिवार की मदद की जाए। इस मौके पर भोले, आर्यन, अनिल, वीरेंद्र, मोहित, अंशु, सोनू, रामकिशोर, हरिओम पिंटू, रजनीश, पवन, टिंकू, श्यामजी, ज्वाला प्रसाद, आकाश दीप, मोहन, शंकर, राकेश, हरिमोहन, शिवम, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

झारखंड में 1.58 लाख करोड़ का अबुआ दिशोम बजट पेश

●रजत जयंती वर्ष में सामाजिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंड:- झारखंड सरकार ने 24 फरवरी को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये का अबुआ दिशोम बजट' पेश किया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने दोपहर 12 बजे सदन में बजट प्रस्तुत किया। राज्य के रजत जयंती वर्ष 25 वर्ष पूर्ण के अवसर पर पेश इस बजट को विशेष महत्व का बताया जा रहा है। हेमंत सोरेन सरकार द्वारा पेश बजट में सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गई है। सरकार का दावा है कि यह बजट जनता की भागीदारी से तैयार किया गया समावेशी बजट है। बजट के मुख्य आंकड़े में कुल बजट आकार 1,58,560 करोड़ रुपये का रहे जो पिछले वर्ष (2025-26) के 1.45 लाख करोड़ के बजट की तुलना में 7-10% वृद्धि है। योजना मद 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान है। राजस्व प्राप्ति का अनुमानः 66,700 करोड़ रुपये, आर्थिक विकास दर का अनुमान 10.3 प्रतिशत, राजकोषीय घाटा लगभग 2.5 प्रतिशत के आसपास है। वहीकोल कंपनियों पर बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य कर्मियों का किसी प्रकार का वेतन लंबित नहीं है।

प्रमुख घोषणाएं और फोकस क्षेत्र

महिला सशक्तिकरण के लिए महिला एवं बाल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मईयां सम्मान योजना के लिए 14,065 करोड़ रुपये का प्रावधान। महिलाओं की आय वृद्धि के लिए 20 हजार रुपये तक के एकमुश्त ऋण की नई योजना।महिला किसान खुशहाली कार्यक्रम की शुरुआत, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये का बजट।

कृषि एवं ग्रामीण विकास

कृषि विभाग के लिए 4,884 करोड़ रुपये। ग्रामीण विकास विभाग को 12,346 करोड़ रुपये। पंचायती राज विभाग के लिए 2,283 करोड़ रुपये। जल संसाधन विभाग को 2,714 करोड़ रुपये। पेशा कानून लागू करने, बालू घाट प्रबंधन और ग्राम सभा को सशक्त बनाने पर जोर। पांच नए बालिका आवासीय विद्यालयों के निर्माण की घोषणा की गई। प्रारंभिक व माध्यमिक शिक्षा के लिए 16,251 करोड़ रुपये। तकनीकी शिक्षा के लिए 2,564 करोड़ रुपये। युवाओं के लिए रोजगार सृजन, स्किल डेवलपमेंट और सरकारी रिक्त पदों को भरने की दिशा में पहल। बाल बजट के तहत 10,793 करोड़ रुपये का प्रावधान की गई।

स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा

स्वास्थ्य विभाग के लिए 7,990 करोड़ रुपये। महिला, बाल कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को 22,995 करोड़ रुपये। गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु ऋण योजना की घोषणा की गई। आधारभूत संरचना व अन्य विभाग के तहत ऊर्जा विभाग के लिए 11,197 करोड़ रुपये। पथ निर्माण विभाग 6,601 करोड़ रुपये। ग्रामीण कार्य विभाग 5,081 करोड़ रुपये। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग 5,194 करोड़ रुपये। नगर विकास एवं आवासः 3,919 करोड़ रुपये। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधनः 11,038 करोड़ रुपये। स्कूल, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण 3,568 करोड़ रुपये। उद्योग विभाग 541 करोड़ 30 लाख रुपये। पर्यटन विभाग 361 करोड़ 67 लाख रुपये। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के लिए 328 करोड़ रुपये घोषित की गई। सरकार का कहना है कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय 1.25 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है तथा गरीबी दर में 13.29 प्रतिशत की कमी आई है। बजट में जेंडर बजट, बाल बजट और आउटकम बजट भी शामिल किया गया है, जिससे योजनाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। अबुआ सरकार, अबुआ बजट के नारे के साथ पेश इस बजट को राज्य के किसानों, महिलाओं, छात्रों और युवाओं के लिए लाभकारी बताते हुए सरकार ने इसे समावेशी और विकासोन्मुखी करार दिया है।

जैविक किसान मेले में बृहद आयोजन

●मीठे फलों का रकबा बढ़ाने पर किसान दे जोरः डॉ सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर, अटरिया स्थित गनेरा ग्राम पंचायत में एकदिवसीय जैविक किसान मेले एवं प्रदर्शनी का आयोजन परंपरागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत आर्मोन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के द्वारा किया गया। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि बी जे पी मंडल अध्यक्ष अटरिया अमित सिंह एवं कसमंडा मंडल अध्यक्ष सोनू शुक्ला के द्वारा फीता काटकर की गई। मंडल अध्यक्ष तथा कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में लगी जैविक कृषि प्रदर्शनी का भ्रमण किया। कृषि विशेषज्ञ डॉ एस के सिंह ने प्रमुख रूप से समसामयिक बिंदुओं पर चर्चा की उन्होंने बताया कि मौसम शिफ्ट हो रहा है इस समय प्रमुख रूप से आम की फसल पर कीट व रोगों का खतरा बढ़ रहा है किसानों को सचेत रहने की आवश्यकता है। इस समय आम की फसल पर भुनगा कीट का आक्रमण प्रारंभ हो गया है तथा दहिया बीमारी भी तेजी से फैलने लगी है भुनगा कीट को प्रबंधित करने के लिए इम्यूनालफॉस 25 प्रतिशत ई सी अथवा क्लोरोपीरीफोस 50% ई सी 1 एम एल मात्रा को प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी। तथा दहिया बीमारी के प्रबंधन के लिए कॉपर ऑक्सिक्लोराइड की 2 ग्राम मात्रा को 1 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने से इस बीमारी से बचाव किया जा सकता है। डॉ सिंह ने मीठे फलों की खेती पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को इस समय खरबूजा तरबूज खीर मक्का भिंडी की खेती करनी चाहिए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में खरबूजा की बांबी प्रजाति एवं भिंडी की आभा तथा मक्का 3501 काफी उपयोगी रहेगी किसानों को अपना रकबा बढ़ाना चाहिए। आर्मोन इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर कृष्ण मोहन ने बताया कि कीटनाशकों के प्रयोग से बीमारियां बढ़ रही हैं किसानों को बिजामृत, जीवामृत का प्रयोग करके जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। कृषि विज्ञान अंबरपुर के कृषि विशेषज्ञ अमरनाथ सिंह ने बताया कि आज के समय में मोटे अनाज तथा जैविक कृषि आवश्यक हो गई है उन्होंने अपने व्याख्यान में किसानों के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर अटरिया के मंडल अध्यक्ष अमित सिंह ने सरकार की योजनाओं पर चर्चा की तथा कसमंडा के मंडल अध्यक्ष सोनू शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र में गन्ने के उत्पाद को बढ़ाने पर योजना लाने पर काम करेंगे। जैविक मेले में बी जे पी मंडल महामंत्री प्रभाकर विक्रम सिंह, आर्मोन इंटरनेशनल लिमिटेड के जिला प्रभारी धीरेंद्र कुमार चौरसिया सीतापुर के प्रगतिशील किसान इंद्रपाल सिंह, सभापुर के संतोष कुमार शुक्ला, एफपीओ के समन्वयक हरिश्चंद्र, आर्मोन इंटरनेशनल के जिला जिलाप्रभारी प्रदीप कुमार,जैविक मेले में 407 प्रगतिशील किसानो ने प्रतिभाग किया किसानों को जलपान कराया गया तथा कृषि सार संग्रह वितरित किए गए।

संक्षिप्त खबरें

युवती के अपहरण का केस दर्ज

लालगंज,प्रतापगढ़। युवती के अपहरण को लेकर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती 22 फरवरी की शाम करीब पांच बजे उसकी 19 वर्षीया पुत्री घर से अचानक गायब हो गयी। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर अज्ञात आरोपी अपहृत कर ले गया। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है।

होली व रमजान को लेकर सुरक्षा समीक्षा बैठक

देवरिया। आगामी होली व रमजान के मद्देनज़र पुलिस लाइन सभागार में समीक्षा बैठक हुई। अध्यक्षता आयुक्त अनिल ढींगरा व डीआईजी एस. चनप्पा ने की। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त बल, ड्रोन निगरानी व सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को सतर्कता व समन्वय के साथ त्योहार शांतिपूर्ण संपन्न कराने के निर्देश दिए गए।

एसबीटी के हिन्दी प्रवक्ता अरुण शर्मा सम्मानित

छात्रा आराध्या गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 6वां स्थान प्राप्त कर विशिष्ट पुरस्कार किया हासिल

देवरिया। दिल्ली में हिंदी भाषा के प्रसार में विशेष योगदान के लिए इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा एस बी टी पब्लिक स्कूल, विशुनपुरा बखरा के प्रवक्ता हिंदी अरुण शर्मा को सम्मानित किया गया। विद्यालय की छात्रा आराध्या गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 6वां स्थान प्राप्त कर विशिष्ट पुरस्कार हासिल किया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के 96 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए गए।

यह प्रतियोगिता विश्व के 20 देशों और भारत के अधिकांश राज्यों में आयोजित होती है, जिसमें लाखों प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं। कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को सी डी देशमुख सभागार में संपन्न हुआ, जहां शीर्ष प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र, पदक एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन एम.एन. त्रिपाठी एवं प्रधानाचार्य दिवाकर पांडेय ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। शिक्षक अरुण शर्मा ने सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार के सहयोग को दिया।

सपा के यूथ फ्रंटल संगठनों व अल्पसंख्यक सभा की मासिक बैठक संपन्न

देवरिया। समाजवादी पार्टी कार्यालय में यूथ फ्रंटल संगठनों व अल्पसंख्यक सभा की मासिक बैठक आयोजित हुई। बैठक में एस.आई.आर. प्रभारी डॉ. मोहसिन खान (पूर्व मंत्री/पूर्व विधायक) की उपस्थिति रही। डॉ. खान ने कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर पर सक्रियता से तय होती है। उन्होंने पदाधिकारियों को प्रत्येक विधानसभा में बीएलए से समन्वय कर मतदाता सूची के नाम जोड़ने, संशोधन व निगरानी पर जोर देने के निर्देश दिए। आगामी बैठक में कार्यों की समीक्षा कर रिपोर्ट राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। जिलाध्यक्ष ने लापरवाही पर संगठनात्मक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए अनुशासन व सामूहिक प्रयास को सफलता की कुंजी बताया। वक्ताओं ने 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। बैठक की अध्यक्षता खुर्शीद आलम अंसारी ने की।

हण्डिया के विवेचकों के साथ अर्दली रूम की बैठक आयोजित

ब्यूरो प्रयागराज। बैठक के दौरान थाना स्तर पर लंबित विवेचनाओं की गहन समीक्षा की गई तथा समस्त विवेचकों को विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष व समयबद्ध निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा थाना हण्डिया कार्यालय के अभिलेखों जैसे-अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया गया तथा आगामी त्यौहारों के सम्बन्ध में आवश्य दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया मौजूद रहें।

ईरान के न्यूक्लियर प्लांट वाले प्रांत इस्फ़हान में एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर क्रैश, 4 की मौत

यह क्रैश एक हफ़्ते से भी कम समय में दूसरी ऐसी घटना है। हाल ही में, पश्चिमी शहर हमेदान के पास एक F-4 फाइटर जेट गिर गया था, जिसमें उसके 1 पायलट की मौत हो गई थी। ईरान में पिछले कुछ सालों में कई जानलेवा एविएशन एक्सीडेंट हुए हैं। पश्चिमी देशों के बैन ने एयरक्राफ्ट के पार्ट्स तक पहुंच को रोक दिया है, जिससे देश मिलिट्री और सिविलियन दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट के पुराने बेड़े पर निर्भर हो गया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सेंट्रल ईरान में एक फल और सब्ज़ी मार्केट में ईरानी एयर फ़ोर्स का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह क्रैश इस्फ़हान प्रांत में हुआ, जहाँ देश का मुख्य न्यूक्लियर प्लांट है। यह घटना इस्फ़हान प्रांत में तेहरान से लगभग 330 किलोमीटर दक्षिण में दोरचेह शहर में हुई। ईरानी सरकारी टेलीविज़न ने बताया कि हेलीकॉप्टर एक ट्रेनिंग फ़्लाइट के दौरान नीचे गिरा। इस्फ़हान प्रांत में एक बड़ा एयर बेस और एक न्यूक्लियर फ़ैसिलिटी है, जिस पर जून में ईरान-इज़राइल युद्ध के दौरान अमेरिका ने हमला किया था। स्टेट टीवी ने कहा कि क्रैश में पायलट और को-पायलट दोनों मारे गए, और फुटेज दिखाया जिसमें मार्केट एरिया में मलबा बिखरा हुआ था और साइट से धुआं उठ रहा था। सेमी-ऑफिशियल फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी ने बताया कि एयरक्राफ्ट के मार्केट से टकराने के बाद ज़मीन पर मौजूद 2 लोगों की भी मौत हो गई। यह क्रैश एक हफ़्ते से भी कम समय में दूसरी ऐसी घटना है। हाल ही में, पश्चिमी शहर हमेदान के पास एक F-4 फाइटर जेट गिर गया था, जिसमें उसके 1 पायलट की मौत हो गई थी। ईरान में पिछले कुछ सालों में कई जानलेवा एविएशन एक्सीडेंट हुए हैं। पश्चिमी देशों के बैन ने एयरक्राफ्ट के पार्ट्स तक पहुंच को रोक दिया है, जिससे देश मिलिट्री और सिविलियन दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट के पुराने बेड़े पर निर्भर हो गया है।

इस्फ़हान न्यूक्लियर फ़ैसिलिटी

इस्फ़हान न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी सेंटर ईरान के मुख्य न्यूक्लियर रिसर्च और फ़्यूल प्रोडक्शन कॉम्प्लेक्स में से एक है। इसमें एक यूरेनियम कन्वर्ज़न फ़ैसिलिटी, फ़्यूल फ़ैब्रिकेशन प्लांट और कई रिसर्च रिएक्टर शामिल हैं। 2025 में हवाई हमलों के बाद, साइट पर किलेबंदी का काम हुआ, जिसमें टनल के दरवाज़ों को मज़बूत किया गया और कुछ मामलों में उन्हें दबा दिया गया, जिससे वहाँ तक पहुँचना काफ़ी मुश्किल हो गया।

इब्राहिम रईसी चॉपर क्रैश

19 मई, 2024 को, ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर ईरान के पहाड़ी पूर्वी अज़रबैजान प्रांत में अज़रबैजान के साथ बॉर्डर के पास एक दौरे से लौटते समय क्रैश हो गया। यह एयरक्राफ़्ट तीन हेलीकॉप्टरों के एक छोटे काफ़िले का हिस्सा था। रईसी को ले जा रहा हेलीकॉप्टर घने कोहरे और खराब मौसम की वजह से विज़ुअल कॉन्टैक्ट खोने के बाद ज़मीन से टकरा गया और उज़ी गाँव के पास क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी आठ लोग मारे गए, जिनमें रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अज़रबैजान के गवर्नर मालेक रहमती, और दूसरे अधिकारी और क्रू शामिल थे।

द्वारका में चेन स्नैचिंग का सनसनीखेज खुलासा

● कुछ ही घंटों में 3 लुटेरे गिरफ्तार, 11 ग्राम सोने की चेन बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली, 24 फरवरी 2026।दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के द्वारका इलाके में सरकारी कर्मचारी से मारपीट कर सोने की चेन लूटने की वारदात को Delhi Police ने कुछ ही घंटों में सुलझा लिया। थाना Mohan Garden Police Station की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटी गई करीब 11 ग्राम वजनी सोने की चेन बरामद कर ली। घटना 20-21 फरवरी 2026 की मध्य रात्रि की है। पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि भगवती गार्डन एक्सटेंशन क्षेत्र में मारपीट कर चेन छीन ली गई है। सूचना मिलते ही एसआई राजेश कुमार पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़ित अभिषेक हुड्डा (30 वर्ष), निवासी भगवती गार्डन एक्सटेंशन, ने बताया कि जब वह अपनी कार से घर लौट रहे थे और द्वारका मोड़ स्थित मोर साहब रेस्टोरेंट के पास पहुंचे, तभी तीन अज्ञात युवकों ने उन पर हमला कर दिया और उनकी सोने की चेन लूट ली।पीड़ित के बयान पर एफआईआर संख्या 49/26 दिनांक 21.02.2026, धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच एसआई राजेश कुमार को सौंपी गई।

थाना मोहन गार्डन के एसएचओ इंस्पेक्टर मुकेश अंतिल के नेतृत्व तथा एसीपी नजफगढ़ श्री प्रक्षय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बिंदापुर, रन्होला और मोहन गार्डन क्षेत्रों में लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर तीन आरोपियों–मोहर सिंह (28 वर्ष), गौरव उर्फ गोलू (22 वर्ष) और करण (19 वर्ष)–को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने ही द्वारका मोड़ के पास पीड़ित के साथ मारपीट कर चेन लूटी थी। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली है।

जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी मोहर सिंह के खिलाफ पहले से 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि गौरव उर्फ गोलू के खिलाफ 2 मामले दर्ज हैं। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आईपीएस अंकित सिंह ने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास मजबूत हुआ है।

विश्व हिन्दू परिषद के इंद्रप्रस्थ दिल्ली प्रांत के प्रिंट मीडिया प्रमुख के दायित्व पर मनोनीत किये गए स्वतंत्र सिंह भुल्लर

● इंद्रप्रस्थ दिल्ली प्रांत के पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि देशहित में, वे अपने दायित्वों का निर्वहन हमेशा की तरह पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
प्रदीप यादव

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद के इंद्रप्रस्थ दिल्ली प्रांत में संगठनात्मक संरचना को और सुदृढ़ करते हुए स्वतंत्र सिंह भुल्लर को प्रिंट मीडिया प्रमुख के दायित्व पर मनोनीत किया गया है। इस मनोनयन की घोषणा प्रांत स्तर पर आयोजित बैठक में की गई, जिसमें संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, सभी ने उन्हें शुभकामनायें दीं।स्वतंत्र सिंह भुल्लर लंबे समय से देशहित में, सामाजिक एवं वैचारिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता और मीडिया क्षेत्र की समझ को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रिंट मीडिया प्रमुख के रूप में वे हमेशा की तरह संगठन की विचारधारा, गतिविधियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का कार्य करेंगे।इस अवसर पर वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री भुल्लर के नेतृत्व में प्रिंट मीडिया विभाग नई ऊर्जा और सशक्त रणनीति के साथ कार्य करेगा, जिससे संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित होगा। इंद्रप्रस्थ दिल्ली प्रांत के पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि वे देशहित में हमेशा की तरह अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे।

जनसमस्याओं को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

देवरिया, 24 फरवरी। भारतीय सर्वजन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक निषाद के नेतृत्व में जनसमस्याओं को लेकर टाउन हॉल से कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकालकर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में 17 जातियों को अनुसूचित जाति सूची में शामिल करने, आरक्षण कोटा बढ़ाने, हत्या प्रकरण में कठोर कार्रवाई व मुआवजा, विद्युत फिक्स चार्ज समाप्त करने, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, पूर्वांचल राज्य गठन, आशा-आंगनबाड़ी मानदेय वृद्धि, बंद चीनी मिल व शीतगृह चालू करने, नवोदय व इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापना, रोजगार सृजन, गैस सब्सिडी, हाईकोर्ट खंडपीठ स्थापना, वित्तीय कंपनियों के जमाधन भुगतान, जातीय जनगणना, पुलिस चौकी निर्माण, स्कूलों में सीसीटीवी व बायोमीट्रिक व्यवस्था सहित विभिन्न मांगें शामिल रहीं। ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा गया। कार्यक्रम में कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संत भीखा दास कुटी पर राष्ट्रीय एकता विराट कुश्ती दंगल का हुआ भव्य आयोजन

● ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल संत भीखा दास कुटी के परिसर में राष्ट्रीय एकता को समर्पित 'विराट कुश्ती दंगल' का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से आए नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पवन सिंह ने किया। उन्होंने अखाड़े में उतरकर पहलवानों का हाथ मिलवाया और खेल भावना की शपथ दिलाते हुए कुश्ती शुरू कराई। इस अवसर पर पवन सिंह ने कहा कुश्ती हमारे देश की मिट्टी से जुड़ा पारंपरिक खेल है।

ऐसे आयोजनों से न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है, बल्कि यह 'राष्ट्रीय एकता' का भी जीवंत प्रतीक है। ग्रामीण अंचलों में छिपी प्रतिभाओं को निखारने के लिए ऐसे दंगल मील का पत्थर साबित होते हैं। दिग्गज पहलवानों की भिड़ंत में अयोध्या, हरिद्वार, दिल्ली और पंजाब से आए पहलवानों ने एक-दूसरे को पटखनी देने के लिए जी-तोड़ मेहनत की। दंगल में कई मुकाबले बराबरी पर छूटे, तो कुछ में पहलवानों ने 'धोबी पछाड़' और 'आसमान पटक' जैसे दांवों से चंद मिनटों में जीत हासिल कर ली।

नगर परिषद अध्यक्ष शालिनी सरावगी ने रेलवे से की स्थाई दुकान

शहडोल जिले के बुढ़ार नगर परिषद में हो रहे असुविधा के बीच नगर परिषद के अध्यक्ष ने द.पू. म.रेलवे बिलासपुर को एक लिखित पत्र लिख कर हो रहे आमजन मानस को समस्या और उनके असुविधा के लिए पत्र लिख कर अवगत करवाया जिस पर रेलवे बिलासपुर के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निराकरण करने का संकल्प लिया । जिसमें मुख्य रूप से सब्जी मंडी के लिए जमीन और दूसरा नया ओवरब्रीज बनाने का मांग और तीसरा स्ट्रिप सील एक्सपेंशन जॉइंट को बदलने की मांग की गई थी। जिसमें उक्त कार्यो को 31/03/2026 तक कार्य करने का संभावना किया गया हैं।

सामाजिक माध्यम में टी एम पी के कि खिलाफ अफवाह फैलने वालो पर थाने में शिकायत दर्ज

● 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। कुछ दिनों से सामाजिक माध्यम में असम के द्वितीय बृह जनजातीय समुदाय टी एम पी के कि खिलाफ अफवाह फैलने वाले आठ लोगों के खिलाफ टी एम पी के सिलापथार जिला समिति ने थाने में शिकायत दर्ज कराया। जिसमें 114 नंबर जोनाई विधानसभा चुनावी क्षेत्र के विधायक भुवन पेगू के एक पुराने वीडियो के साथ में आसामिया पेपर कटिंग संलग्न कर सामाजिक माध्यम फेसबुक, इंस्ट्राग्राम में प्रचार करने वाले भी शामिल है।टी एम पी के सिलापथार डिस्ट्रिक्ट कमिटी ने आज सिलापथार थाने में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई।

टी एम पी के का कार्यकताओं ने मीडिया को दिए जानकारी में उल्लेख किया कि विधायक भुवन पेगू संघटन का पूर्व अध्यक्ष थे उनके मार्ग दर्शन में हम चल रहे हैं। जनजातीय समुदाय के लिए एवं जोनाई सत्रों के जनप्रिय विधायक के रूप में परिचित पेगू के भाभमूर्ति को विनष्ट करने के लिया समाज में ऐसे कार्य करने वाले लोगों को 24 घंटे की भीतर प्रशाशन से गिरफ्तार करने की मांग की।

सपा सांसद के नेतृत्व में आयोजित हुआ धरना प्रदर्शन

● धरने में शामिल लोगों ने संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ का नारा किया बुलंद

● सपाईयों ने एसडीएम को सौंपा मांगों का ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर अयोध्या समाजवादी पार्टी के आह्वान पर मंगलवार को इनायत नगर स्थित मंत्री आवास 5 नंबर चौराहा से तहसील परिसर तक 'संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' के नारे के साथ लोकतांत्रिक धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र सपा के नारों से गूंज उठा। धरना-प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने एस आई आर के नाम पर मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के प्रयासों पर गहरी चिंता जताई और इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार बताया। साथ ही डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा रचित संविधान की रक्षा, किसानों की जमीनों पर कथित अतिक्रमण के विरोध तथा बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई।

धरने को संबोधित करते हुए फैजाबाद (अयोध्या) के सांसद एवं सपा के राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद ने कहा कि संविधान केवल एक किताब नहीं, बल्कि देश की आत्मा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से हर वर्ग, जाति और धर्म को समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी, जिसे कमजोर करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी निर्दोष मतदाता का नाम सूची से हटाया गया तो समाजवादी पार्टी चुप नहीं बैठेगी।

सांसद ने किसानों के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा और कहा कि किसानों की जमीन पर किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और जनसमस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने सरकार से जनता के मूल मुद्दों पर ध्यान देने की मांग की। वहीं पूर्व सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर आम मतदाताओं के अधिकारों से खिलवाड़ किया जा रहा है। धरना समाप्ति के बाद सांसद अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम मिल्कीपुर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना प्रदर्शन में भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं सपा नेता मौजूद रहे।

हर्रैया पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

● बलरामपुर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पकड़ा, कोर्ट भेजा गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। हर्रैया पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बलरामपुर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 24 फरवरी 2026 को हुई। की पहचान अजय कुमार मिश्रा उर्फ टाइगर पुत्र मैकू उर्फ विश्वनाथ मिश्रा के रूप में हुई है, जो ग्राम नेवलगंज, थाना हर्रैया, जनपद बलरामपुर का निवासी है। उसके खिलाफ थाना हर्रैया में मु0अ0सं0-16/2026 के तहत धारा 65(1), 351(3) बीएनएस, 3(1)द, 3(2)1, 3(2)1a एससी/एसटी एक्ट और 5L/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है।पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर वांछित और वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का निकट पर्यवेक्षण अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारी ललिया डी.के. श्रीवास्तव कर रहे हैं, जबकि प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह थाना हर्रैया के कुशल नेतृत्व में टीम काम कर रही है।आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विनीत कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार दूबे और कांस्टेबल चंद्रशेखर निषाद शामिल थे। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अग्रिम विधिक कार्यवाही के लिए न्यायालय भेजा गया।

उत्कृष्ट कार्य पर पुलिसकर्मियों का सम्मान

देवरिया, 24 फरवरी। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने थाना खुखुन्दू के पुलिसकर्मियों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध विवेचना निस्तारण के लिए सराहा गया। आरक्षी वेद प्रकाश यादव को आईजीआरएस संदर्भों के प्रभावी निस्तारण में योगदान हेतु सम्मानित किया गया, जिससे जनवरी 2026 में जनपद को प्रदेश में प्रथम रैंक मिली। महिला आरक्षी दीक्षा शुक्ला को मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया।

बस्ती में लाइसेंस का 'गणित' समझ से परे, मेडिकल और पैथोलॉजी रजिस्ट्रेशन पर उठे सवाल

● मानक अधूरे, फाइलें पूरी– सीएमओ कार्यालय की प्रक्रिया पर जिले में चर्चाओं का बाजार गर्म

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में मेडिकल स्टोर और पैथोलॉजी केंद्रों की संख्या जिस तेजी से बढ़ रही है, उसने स्वास्थ्य महकमे की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को लेकर हाल के दिनों में ऐसी जानकारियाँ सामने आई हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि मानक और मंजूरी के बीच की दूरी कभी-कभी बहुत छोटी हो जाती है।

जानकारी के अनुसार, कुछ मामलों में मानक अधूरे होने के बावजूद लाइसेंस प्रक्रिया को तेज़ी से आगे बढ़ाया गया। विभागीय दफ्तरों के चक्कर काटने वाले कई आवेदकों का कहना है कि फाइलों की गति अक्सर 'प्रक्रियागत समझ' पर निर्भर करती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

स्वास्थ्य विभाग के नियम स्पष्ट रूप से बताते हैं कि मेडिकल स्टोर और पैथोलॉजी संचालन के लिए बुनियादी ढांचा, योग्य फार्मासिस्ट और उपकरण अनिवार्य हैं। लेकिन जिले में संचालित कुछ केंद्रों की स्थिति इन मानकों से मेल नहीं खाती दिखाई देती। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी जोरों पर है कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। यदि ऐसा है तो यह केवल प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मामला है। क्योंकि किसी भी प्रकार की लापरवाही का सीधा असर आम मरीजों पर पड़ सकता है।विशेषज्ञों का मानना है कि सभी लाइसेंसों की सार्वजनिक सूची जारी की जानी चाहिए निरीक्षण रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध कराई जानी चाहिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जाए स्वतंत्र स्तर पर सत्यापन अभियान चलाया जाए अब सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग इस पर स्पष्टता देगा? क्या रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुरूप है? या फिर जिले में लाइसेंस का कोई अलग ही 'गणित' चल रहा है?

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। जनपद के रुद्रपुर पुलिस ने मु0अ0सं0-83/2026 (धारा 69, 352, 351(3) बीएनएस) में वांछित अभियुक्त रुद्रप्रताप यादव को पूर्वी बाईपास के पास से गिरफ्तार किया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश व क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में की गई। विधिक कार्यवाही प्रचलित है। इसी क्रम में पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार रुद्रपुर पुलिस ने मु0अ0सं0-64/2026 में वांछित अभियुक्त बब्बी साहनी को सेमरौना पुल के पास से गिरफ्तार किया। नाबालिग पीड़िता को पूर्व में सकुशल बरामद किया जा चुका है। प्रकरण में बीएनएस व पाक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गई हैं। पाक्सो एक्ट के दूसरे मामले में गौरीबाजार पुलिस ने मु0अ0सं0-572/2026 में वांछित अभियुक्त इम्तियाज अली को पुराने बस स्टैंड, गौरीबाजार से गिरफ्तार किया। पीड़िता को पूर्व में सुरक्षित बरामद किया जा चुका है। विधिक कार्यवाही जारी है।